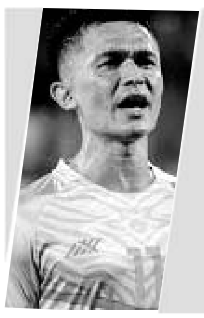

"चाहे कुछ भी हो हम संघर्ष करते हैं। हम चाहे कहीं भी खेल रहे हो, हम लडते हैं। और हम चाहे किसी से भी खेल रहे हों, हम लड़ते हैं। हम हमेशा ऐसा करते हैं।"

-सुनील छेत्री

भारतीय फुटबाल कप्तान, टीम के बारे में

आज का खिलाड़ी

शिवम मावी

पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी में छह विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज शिवम मावी अब तीनों प्रारूपों में कैरियर बनाने के लिये इस प्रदर्शन को बरकरार रखना चाहते हैं। मावी ने 44 रन देकर छह विकेट लिये जिसकी मदद से मध्य क्षेत्र ने अलूर में दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम को पहली पारी में 220 रन पर आउट कर दिया। मावी ने कहा ," मैं पिछले तीन चार साल से लाल गेंद से अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। उम्मीद है कि टेस्ट मैच खेलने का मौका मिलेगा। मैं सिर्फ एक प्रारूप नहीं खेलना चाहता बल्कि सभी प्रारूपों में खेलने के लिये तैयार रहने की कोशिश में हूं और कडी मेहनत कर रहा हूं।"

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट विश्व कप के इतिहास में पहली गेंद 7 जून 1975 को लार्ड्स के मैदान पर भारत के मदनलाल द्वारा इंग्लैण्ड के डैनिश एमिस को फेंकी गई थी।

गेंदबाजों ने उत्तर क्षेत्र को दिलायी बढ़त

बेंगलुरु, 6 जुलाई। उत्तर क्षेत्र ने गेंदबाजों के संयुक्त प्रयास की बदौलत दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल की पहली पारी में गुरुवार को दक्षिण क्षेत्र पर तीन रन की बढत बना ली। पहली पारी में 198 रन बनाने वाले उत्तर क्षेत्र ने मैच के दूसरे दिन दक्षिण क्षेत्र को 195 रन पर ऑलआउट किया। उत्तर क्षेत्र के लिये वैभव अरोडा और जयंत यादव ने तीन-तीन विकेट लिये, जबकि बलतेज सिंह और हर्षित राणा को दो-दो विकेट प्राप्त हुए। दक्षिण क्षेत्र के लिये सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने सर्वाधिक 76 रन बनाये। उन्होंने इस पारी में 115 गेंद खेलकर 10 चौके जडे। तिलक वर्मा ने उनका साथ देते हुए 101 गेंद पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 46 रन की पारी खेली। मयंक-तिलक ने दक्षिण क्षेत्र के लिये दिन की शुरुआत 63/4 से। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिये 110 रन की साझेदारी की, हालांकि 145 के स्कोर पर मयंक का विकेट गिरते ही दक्षिण की पारी ढह गयी। वाशिंगटन सुंदर (12) और साई किशोर (21) कोई बडा योगदान नहीं दे सके और दक्षिण क्षेत्र ने आखिरी छह विकेट मात्र 50 रन के अंदर गंवा दिये।

नागवासवाला-सेठ चमके, पश्चिम क्षेत्र की बढ़त 200 के पार

अलुर, 6 जुलाई। अर्ज़न नागवासवाला (74/5) की अगुवाई में गेंदबाज़ों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद सूर्यकुमार यादव (52) और चेतेश्वर पुजारा (50 नाबाद) के अद्धर्शतकों से पश्चिम क्षेत्र ने मध्य क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन गुरुवार को 241 रन की बढ़त बना ली।

पहली पारी में 220 रन बनाने वाले पश्चिम क्षेत्र ने मध्य क्षेत्र को मात्र 128 रन पर ऑलआउट कर दिया। नागवासवाला ने पांच विकेट चटकाये, जबकि अतीत सेठ ने तीन और चिंतन गज ने दो विकेट लिये। सूर्यकुमार और पुजारा के अद्धर्शतकों की बदौलत पश्चिम क्षेत्र ने दिन का खेल खत्म होने से पहले तीन विकेट के नुकसान पर 149 रन बना लिये।

पश्चिम ने दिन की शुरुआत 216/8 के स्कोर से की और मध्य क्षेत्र ने बचे हुए दो विकेट लेने में ज्यादा समय व्यर्थ नहीं किया। शिवम मावी ने एक ही ओवर में नागवासवाला (छह) और युवराजसिंह डोडिया (शून्य) को आउट कर पश्चिम की बल्लेबाजी समाप्त की। नागवासवाला ने मध्य क्षेत्र की पारी की शुरुआत विवेक सिंह को पवेलियन लौटाकर की, जबकि चिंतन गज ने दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर हिमांशू मंत्री को आउट किया। अमनदीप खरे (चार) 11 गेंद खेलने के बाद गज का शिकार हुए।

विकेटों के पतन के बीच ध्रुव जुरेल और रिंकू सिंह ने मध्य क्षेत्र की पारी को संबल दिया। ध्रुव ने 55 गेंद पर सात चौकों की मदद से 46 रन बनाये, जबकि रिंकू ने 69 गेंद पर छह चौके लगाकर 48 रन की पारी खेली।

दोनों के बीच चौथे विकेट के लिये 42 रन की साझेदारी हुई जिसे नागवासवाला ने ध्रुव को आउट करके तोड़ा।

रिंकू एक छोर पर खडे रहे, हालांकि दूसरे छोर से विकेटों का पतन जारी रहा। नागवासवाला ने अपना स्पेल समाप्त होने से पहले उपेंद्र यादव और सारांश जैन को भी पवेलियन लौटाया, जबकि सेठ ने सौरभ कुमार, शिवम मावी और आवेश खान के रूप में तीन पुछल्ले बल्लेबाजों के विकेट लिये। अंततः, लंबे संघर्ष के बाद रिंकू भी नागवासवाला का शिकार हुए और मध्य क्षेत्र की पारी 128 रन पर सिमट गयी।

पश्चिम क्षेत्र के बल्लेबाज दूसरी पारी में अधिक आक्रामकता के साथ पिच पर उतरे। पृथ्वी शॉ (26 गेंद, पांच चौके, 25 रन) और प्रियांक पांचाल (21 गेंद, तीन चौके, 15 रन) आक्रामक बल्लेबाजी की कोशिश में आउट हो गये, लेकिन पुजारा और सूर्यकुमार ने अपना-अपना अद्धर्शतक पूरा किया। सूर्यकुमार ने सौरभ कुमार (34/2) का शिकार होने से पहले 58 गेंद पर 52 रन बनाये, जबकि पुजारा 103 गेंद पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। सरफराज खान (छह नाबाद) पुजारा के साथ क्रीज़ पर मौजूद हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट में मदद करेगी लारा की सलाह : ब्रेथवेट

एंटीगा (वेस्टइंडीज), 6 जुलाई। वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट को लगता है कि 12 जुलाई से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान महान क्रिकेटर ब्रायन लारा की सलाह उनके बल्लेबाजों के लिये काफी मददगार होगी। भारत के खिलाफ तीनों प्रारूपों की श्रृंखला से पहले लारा वेस्टइंडीज टीम से 'परफोरमेंस मेंटोर' के तौर पर जुडे। क्रिकेट वेस्टइंडीज पर ब्रेथवेट ने बयान में कहा, "उनका टीम से जुडना शानदार है।

हमने उनसे अभी तक जो बातचीत की है, उससे हम हमेशा सीखते हैं, वह योजना बनाने में निपुण हैं कि आप किस तरह से स्कोर बनाओगे। उनकी खेल की परिस्थितियों पर सलाह बेहतरीन है और इससे बल्लेबाजों को मदद ही मिलेगी।" लारा इस साल के शुरु में जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर टीम के साथ काम कर चुके हैं। ब्रेथवेट ने कहा कि खिलाडियों पर उनका काफी सकारात्मक असर पडता है। दोनों टीमें अपने नये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेंगी।

विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम बनी नीदरलैंड

बुलावायो, 6 जुलाई। नीदरलैंड ने बास डी लीड (पांच विकेट, 123 रन) के उच्चस्तरीय हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत विश्व कप क्वालीफायर के सुपर-6 चरण में गुरुवार को स्कॉटलैंड को चार विकेट से मात देकर मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना ली।

स्कॉटलैंड ने जॉर्ज मंसी (106) के शतक की मदद से नीदरलैंड के सामने 50 ओवर में 278 रन का लक्ष्य रखा। नीदरलैंड को एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिये क्वालीफाई करने की खातिर यह लक्ष्य 44 ओवर में प्राप्त करना था। डी लीड ने शतक जडकर नीदरलैंड को 42.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचाकर भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप 2023 में प्रवेश दिला दिया।

डी लीड ने 92 गेंद खेलकर सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 123 रन बनाये। उनके अलावा नीदरलैंड का कोई बल्लेबाज अद्धर्शतक भी नहीं जड़ सका। इससे पहले डी लीड ने 10 ओवर में 52 रन देकर स्कॉटलैंड के पांच विकेट चटकाये थे।

डी लीड ऐसे चौथे हरफनमौला हैं जिन्होंने एक ही वनडे मैच में पांच विकेट भी चटकाये और शतक भी जडा। उनसे पहले केवल विवियन रिचर्ड्स (वेस्ट इंडीज), पॉल कॉलिंग्वुड (इंग्लैंड) और रोहन मुस्तफा (संयुक्त अरब अमीरात) ने ऐसा किया है। नीदरलैंड छह अक्टूबर को हैदराबाद में पाकिस्तान के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा। भारत और नीदरलैंड दो नवंबर को मुंबई में आमने-सामने होंगे। नीदरलैंड ने इस जीत के साथ विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में जगह भी बनायी, जहां उसका सामना रविवार को श्रीलंका से होगा।

विम्बलडन : जोकोविच और स्वियातेक जीते

विंबलडन, 6 जुलाई। विम्बलडन में नोवाक जोकोविच 350वां ग्रैंडस्लैम मैच जीतने वाले रोजर फेडरर और सेरेना विलियम्स के बाद टेनिस के इतिहास में तीसरे खिलाडी बन गए जबकि दो साल पहले की उपविजेता कैरोलिना प्लिसकोवा पहले दौर में क्वालीफायर से हार गई।

छठी रैंकिंग वाले होल्गर रूने ने ब्रिटेन के वाइल्ड कार्डधारी जॉर्ज लोफागेन को 7. 6, 6-3, 6-2 से मात दी। पुरूष वर्ग में सबसे ज्यादा 23 ग्रैंडस्लैम जीतने वाले जोकोविच ने जोर्डन थाम्पसन को 6-3, 7-6, 7-5 से हराया।

दो बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन स्टेफानोस सिटसिपास ने 2020 अमेरिकी ओपन चैम्पियन डोमिनिक थीम को 3-6, 7-6, 6-2, 6-7, 7-6 से मात दी।

शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वियातेक ने स्पेन की सारा सोरिबोस टोर्मो को 6-2, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। रूस के तीसरे वरीय मेदवेदेव ने ब्रिटेन के 20 साल के आर्थर फेरी को पहले दौर के मुकाबले में सीधे सेटों में 7-5, 6-4, 6-3 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और फ्रांसिस टियाफो भी विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। नौवें वरीय फ्रिट्ज ने एक सेट से पिछडने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जर्मनी के यानिक हेंफमैन को 6-4, 2-6, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया जबकि टियाफो ने यिबिंग वू को सीधे सेटों में हराया।

सिंधू, सेन कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

कैलगरी, 6 जुलाई। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाडी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन कनाडा ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जिन्होंने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के इस सुपर 500 टूर्नामेंट में सीधे गेम में जीत दर्ज की। चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू ने कनाडा की टालिया एनजी को 21-16, 21-9 से हराया। वहीं सेन ने दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत विदितसर्न को 21-18, 21-15 से मात दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू का सामना अब जापान की नतसुकी निदाइरा से होगा जबकि सेन ब्राजील के वायगोर कोल्हो से खेलेंगे। बी साई प्रणीत को कोल्हो ने 21-12, 21-17 से हराया। रूत्विका शिवाना गाड्डे भी पहले दौर में थाईलैंड की सुपनिदा के से 21-12, 21-3 से हारकर बाहर हो गई।

तीसरा एशेज टैस्ट:आस्ट्रेलियाई पारी 263 रन पर सिमटी

लीड्स, 6 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने इंग्लैंड की खराब कैचिंग का पूरा फायदा उठाते हुए शतक जड़ा जिससे मेहमान टीम ने तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन खराब शुरुआत के बावजूद पहली पारी में 263 रन बना कर आऊट हो गई। समाचार लिखे जाने तक इंग्लैंड ने 65 रन पर अपने तीन विकेट खो दिये थे।

पांच टेस्ट की श्रृंखला में 0-2 से पिछड रहे इंग्लैंड ने 85 रन तक ऑस्ट्रेलिया के चार विकेट झटक लिए थे लेकिन मार्श ने क्रिस वोक्स की गेंद पर जो रूट से मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए शतक जडा। चोटिल खिलाडी के विकल्प के तौर पर लगभग चार साल में पहला टेस्ट खेल रहे मार्श ने 118 रन बनाए। रूट अगर 12 रन के निजी स्कोर पर लंच के तुरंत बाद मार्श का कैच पकड लेते तो ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 98 रन हो जाता। मार्श ने 118 गेंद की अपनी आक्रामक पारी के दौरान 17 चौके और चार छक्के मारे। चाय से पहले के अंतिम ओवर में वोक्स ने मार्श को जैक क्राउली के हाथों कैच कराके इंग्लैंड को पांचवीं सफलता दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। डेविड वार्नर ने स्टुअर्ट ब्रॉड की मैच की पहली गेंद पर चौका जड़ा लेकिन इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर इस तेज गेंदबाज ने उन्हें दूसरी स्लिप में क्राउली के हाथों कैच करा दिया। मैच फिटनेस से जुड़ी चिंताओं के कारण पहले दो टेस्ट से बाहर रहे मार्क वुड ने अपनी तेज गति से बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने शुरुआती तीन ओवर मेडन फेंके और पहला रन 23वीं गेंद पर दिया। वुड ने तेज और स्विंग होती फुल लेंथ गेंद पर सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (13) को बोल्ड करके ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया।

पोलार्ड की सलाह को याद रखना चाहते हैं तिलक

बेंगलुरू, 6 जुलाई। नंबूरी तिलक वर्मा ने बुधवार देर रात वीडियो कॉल पर अपने माता-पिता नागराजू और गायत्री देवी से भारतीय टीम में अपने चयन की खबर साझा की। तिलक ने जब से अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत की तभी से यह सपना देखा था और उनका सपना साकार होने के साथ नंबूरी परिवार में भावनाओं का ज्वार उमड आया।

चयन के घंटों बाद भी तिलक की आवाज में इसका उत्साह देखा जा सकता है। उत्तर क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल खेल रहे तिलक ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, "कल मेरी मां और पिता वास्तव में रो रहे थे। मैंने उन्हें वीडियो कॉल की और वे काफी भावुक थे। मेरे कोच (सलाम बायश) की भी यही प्रतिक्रिया थी। वह भी काफी भावुक हो गए थे।" हैदराबाद के 20 साल के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया।

नम आंखों के साथ तमीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

चटगांव, 6 जुलाई। बंग्लादेश के कप्तान तमीम इकबाल ने एकदिवसीय विश्व कप 2023 से सिर्फ तीन महीने पहले गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

संन्यास की घोषणा करते हुए भावुक हुए तमीम ने यहां संवाददाताओं से कहा, "यह मेरे करियर का अंत है। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मैं इसी क्षण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। कल अफगानिस्तान के खिलाफ मेरा आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था। यह अचानक लिया गया फैसला नहीं है, मैं कई कारणों के बारे में सोच रहा था। मैं यहां जिक्र नहीं करना चाहता। मेंने इस बारे में अपने परिवार वालों से बात की है। मैंने सोचा कि यह मेरे लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का सही समय है।"

गौरतलब है कि बंगलादेश इस समय अफगानिस्तान के साथ एकदिवसीय शृंखला खेल रही है। अफगानिस्तान ने पहले वर्षा बाधित वनडे में बंगलादेश को 17 रन (डकवर्थ लुइस पद्धति) से मात दी। बंगलादेश ने नये एकदिवसीय कप्तान की घोषणा नहीं की है। शाकिब अल-हसन बंग्लादेश के टी20 कप्तान हैं जबकि लिटन दास टेस्ट क्रिकेट में टीम की कमान संभालते हैं।

तमीम संवाददाताओं से बात करते हुए कई बार भावुक हुए और उन्होंने अपने पिता, अपने चाचा, अपने पहले कोच, अपनी टीम के साथियों और बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को धन्यवाद कहा। तमीम ने सिसकते हुए कहा, "मेरे पास कहने के लिये बहुत कुछ नहीं है। एक बात में निश्चित रूप से कहूंगा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। हो सकता है कि मेरी कोशिश काफी नहीं थी। मैं यह नहीं जानता। लेकिन मैं जब भी मैदान पर उतरा तो अपना 100 प्रयास किया।" उन्होंने कहा "और भी बहुत सी चीजें हैं जो मैं कहना चाहता हूं, लेकिन जैसा कि आप देख सकते हैं मैं बोलने की हालत में नहीं हूं। मुझे उम्मीद है कि आप स्थिति का सम्मान करेंगे।ऐसा क्यों हुआ और क्या हो सकता था, इस बात को यहीं ख़त्म करते हैं। मैंने हमेशा कहा है कि टीम किसी भी व्यक्ति से बडी होती है। शृंखला में अभी दो और मैच खेले जाने हैं। मुझे लगता है हमें जीतना चाहिए। दो प्रमुख ट्रॉफियां भी हैं।"

तमीम ने फरवरी 2007 में वनडे डेब्यू के साथ एक किशोर के रूप में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। उन्होंने उस साल वेस्टइंडीज में आयोजित विश्व कप में भारत के खिलाफ बंगलादेश की यादगार जीत में मैच जिताऊ अर्धशतक भी जडा। वह अपने देश के लिये सर्वाधिक एकदिवसीय रन (8313) और शतक (14) बनाने वाले खिलाडी हैं। तमीम ने कहा, "अगर मैं किसी को धन्यवाद देना भूल गया तो मुझे खेद है। जिसने भी मुझे एक क्रिकेटर और इंसान के रूप में विकसित होने में मदद की है, मैं आप सभी को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। मेरी मां, मेरा भाई, पत्नी और दो बच्चे।

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के लिये भारतीय भारोत्तोलन टीम घोषित

नयी दिल्ली, 6 जुलाई। दो बार के स्वर्ण पदक विजेता अजय सिंह 12 जुलाई से ठोटर नोएडा में शुरू होने वाली राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में मेज़बान भारत के अभियान की अगुवाई करेंगे। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। भारत दूसरी बार इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, जबकि 2015 में पुणे में इसका सफल आयोजन किया जा चुका है। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू अमेरिका में जांघ की चोट से उभर रही हैं और इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता जेरेमी लालरिनुंगा, अचिंता श्युली और बिंदियारानी देवी भी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं। चैंपियन खिलाडियों की अनुपस्थिति में सभी की निगाहें राष्ट्रमंडल खेल रजत पदक विजेता लवप्रीत सिंह, पूर्व एशियाई चैंपियन झिल्ली डालाबेहेरा और राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता हजिंदर कौर पर होंगी।

20 जुलाई से होंगे कुश्ती ट्रायल

नयी दिल्ली, 6 जुलाई। एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) द्वारा एशियाई खेलों के लिए आयोजकों को खिलाडियों के नाम भेजने की अंतिम तारीख बढाने के संबंध में 'अनाधिकृत' आश्वासन दिये जाने के बाद खेलों के लिए भारतीय पहलवानों को 'शार्टलिस्ट' करने के लिए ट्रायल 20 जुलाई के करीब कराये जाने की संभावना है। ओसीए ने एशियाई खेलों के आयोजकों को नाम की प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तारीख 15 जुलाई तय की थी लेकिन भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कुश्ती के लिए तदर्थ समिति के प्रयासों से खबरों के अनुसार ओसीए अंतिम समयसीमा बढाने पर विचार कर रहा है। लेकिन अभी तक तदर्थ पैनल के साथ तारीख बढाने की समयसीमा की जानकारी साझा नहीं की गयी है। तदर्थ पैनल के एक सदस्य ज्ञान सिंह ने कहा, "समयसीमा बढ़ाने के संबंध में अभी तक ओसीए से कोई ईमेल नहीं मिला है लेकिन अनाधिकृत तौर पर उन्होंने कहा कि वे नामों की प्रविष्टियां भेजने के लिए तारीख में राहत देने के लिये तैयार हैं। जब तक हमें पुष्टि नहीं मिल जाती, हम नहीं कह सकते कि इसे 10, 12, 15 या इससे ज्यादा दिन के लिए बढाया जायेगा।" उन्होंने कहा "लेकिन प्रक्रिया में ज्यादा देरी किये बिना हम एशियाई खेलों के ट्रायल की तारीख की घोषणा सोमवार (10 जुलाई) तक करेंगे और ये 20 जुलाई के करीब खेले जायेंगे। तदर्थ पैनल ने इन प्रदर्शनकारी पहलवानों को एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के ट्रायल्स से छूट देते हुए इसे एक मुकाबले का कर दिया जिसकी चारों ओर से आलोचना होने लगी।'

झूलन ने किया विश्व कप ट्रॉफी का स्वागत

कोलकाता, 6 जुलाई। भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी झूलन गोस्वामी ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी का कोलकाता में स्वागत किया। आईसीसी के ट्रॉफी टूर के तहत यह विश्व कप ट्रॉफी भारत सहित 18 देशों में घूमेगी। झूलन ने ट्रॉफी के कोलकाता पहुंचने पर उम्मीद जताई की रोहित शर्मा की टीम विश्व कप 2011 में भारत के कारनामे को दोहरा सकेगी। झूलन ने यहां खचाखच भरे मॉडर्न हाई स्कूल के छात्रों की उपस्थिति में अपने संबोधन में कहा, "यह एक क्रिकेटर का अंतिम लक्ष्य है।" झूलन ने कहा, एकदिवसीय विश्व कप जीतना हर क्रिकेटर के लिये एक सपने के सच होने जैसा है। जैसे ओलंपिक एक एथलीट के लिये अंतिम प्रतियोगिता है, वैसे ही एक क्रिकेटर के लिये वनडे विश्व कप है। याद है जब धोनी ने छक्का लगाया था और हमने 28 सालों के बाद ट्रॉफी जीती थी और हर तरफ उत्साह था। मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम इस ट्रॉफी को फिर से उठाएगी।" उल्लेखनीय है कि विश्व कप ट्रॉफी टूर ज़मीन से एक लाख 20,000 फीट की ऊंचाई पर अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया था। आईसीसी के अनुसार यह विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा ट्रॉफी टूर होगा जो प्रशंसकों को दुनिया भर के विभिन्न देशों और शहरों में टूर्नामेंट से जुड़ने का मौका देगा।

मीराबाई चानून चैम्पियनशिप में नहीं जाएगी

नयी दिल्ली, 6 जुलाई। स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू सहित कुछ अन्य स्टार भारोत्तोलक 12 जुलाई से ग्रेटर नोएडा में शुरु होने वाली राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे जिससे मेजबान भारत के अभियान की अगुआई दो बार के स्वर्ण पदक विजेता अजय सिंह करेंगे। भारत दूसरी बार टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, इससे पहले देश ने 2015 में पुणे में इसका सफल आयोजन किया था। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू अमेरिका में चोट के रिहैबिलिटेशन के कारण इसमें नहीं खेलेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता जेरेमी लालरिनुगा, अचिंता शेयुली और बिंदियारानी देवी भी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। टीम इस प्रकार है **पुरुषः** - शुभम टोडकर (61 किग्रा), एन अजीत (73 किग्रा), अजय सिंह (81 किग्रा), अमरजीत गुरु (89 किग्रा), विश्वकर्मा जगदीश (96 किग्रा), हर्षद वाडेकर (96 किग्रा), हरचरण सिंह (102 किग्रा), लवप्रीत सिंह (109 किग्रा) **महिलाः** कोमल कोहर (45 किग्रा), झिली डालाबेहडा (49 किग्रा), श्रावणी दास (55 किग्रा), पोपी हजारिका (59 किग्रा), निरूपमा देवी (64 किग्रा), हरजिंदर कौर (71 किग्रा), वंशिता वर्मा (81 किग्रा), पूर्णिमा पांडे (87 किग्रा)

जयपुर डिस्टिक बैडमिंटन चैंपियनशिप 25 से

जयपुर, 6 जुलाई। जयपुर डिस्टिक बैडमिंटन चैंपियनशिप 25 जुलाई से 1 अगस्त तक होगी जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत ने बताया मैं इसमें 11,13, 15, 17, 19 आयु वर्ग के बालक बालिका व सीनियर महिला व पुरुष ,सिंगल्स,डबल्स और मिक्स्ड डबल्स की प्रतियोगिताएं होंगी प्रतियोगिता से स्टेट चैंपियनशिप के लिए जयपुर टीम का चयन किया जाएगा प्रतियोगिता के सचिव अतुल गुप्ता को नियुक्त किया गया है जिला संघ अध्यक्ष अनिल मेहता ने बताया प्रतियोगिता के चीफ रेफरी के के माथुर तथा मैच कंट्रोलर रवि चौहान होंगे इस प्रतियोगिता की एंट्री की अंतिम तिथि 23 जुलाई होगी एंट्री आप सवाई मानसिंह स्टेडियम बैडमिंटन हॉल जयपुर व विभिन्न सेंटरों पर दे सकते हैं।

'भारतीय टीम के साथ अनुभव शानदार रहा'

नयी दिल्ली, 6 जुलाई। भारतीय अंडर-17 टीम के मुख्य कोच के तौर पर राष्ट्रीय टीम से आठ साल का जुडाव समाप्त होने के बाद बिबियानो फर्नांडिज बेंगलुरु एफसी रिजर्व्स से जुड़ गये हैं। फर्नांडिज (46 वर्ष) ने भारतीय अंडर-16 और अंडर-17 टीमों को लगातार तीन सैफ खिताब दिलाने और लगातार तीन बार एएफसी चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई करने में मदद की। बल्कि टीम उनके मार्गदर्शन में 2018 एएफसी अंडर-16 चैम्पियनशिप में ग्रुप सी में दूसरे स्थन पर रही थी जिससे टीम क्वार्टरफाइनल में पहुंची और फीफा अंडर-17 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से महज एक जीत दूर थी, हालांकि इसमें उसे हार का सामना करना पडा। बिबियानो ने कहा, "भारतीय टीम के सभी तीन 'बैच' में सभी खिलाड़ियों के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा और मैं इन सभी को शुक्रिया करना चाहूंगा कि वे इस खूबसूरत खेल को अपना सर्वस्व दे रहे हैं।"

खिलाडियों का पीसीबी के मामलों पर नहीं बल्कि क्रिकेट पर ध्यानः बाबर आजम

कराची, 6 जुलाई। कप्तान बाबर आजम ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में चल रह उठापटक का राष्ट्रीय टीम के आईसीसी वनडे विश्व कप और इससे पहले होने वाली श्रृंखलाओं में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पडेगा। इस समय दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बाबर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह भी कहा कि उनकी टीम महज चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अहम मुकाबले पर ही ध्यान नहीं लगा रही है बल्कि पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। पीसीबी के अधिकारियों और चयन समिति में हालिया बदलाव का असर खिलाड़ियों पर पडने के बारे में पूछने पर बाबर ने कहा कि उनका काम क्रिकेट पर ध्यान लगाना है। बाबर ने कहा, "पीसीबी में जो कुछ हो रहा है, हम उस पर ध्यान नहीं लगाते हैं। हम सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान लगाते हैं।

एशियाई खेलों से पहले डिफेंस में सुधार देखना चाहते हैं सहरावत

बेल्लारी, 6 जुलाई। भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान पवन सहरावत ने सितंबर में चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों से पहले टीम के डिफेंस में सुधार की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है।

सहरावत ने इंस्पायर इंस्टिट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में कहा, मुझे अब भी यकीन है कि हमें एक टीम के रूप में अपने रक्षण को सुधारने पर बहुत काम करना होगा। मैं एशियाई चैंपियनशिप के दौरान हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं था। एशियाई खेल अधिक चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। हमें आगामी शिविर के दौरान फिर से ध्यान केंद्रित करने और अधिकतम प्रयास करने की जरूरत है ताकि हम इस प्रतियोगिता में अपने विरोधियों पर हावी हो सकें।" उल्लेखनीय है कि भारत ने हाल ही में सहरावत की अगुवाई में एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप का खिताब जीता। फाइनल में भारत ने ईरान को 42-32 से हराया, जबकि सहरावत ने 10 सुपर रेड करके खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहरावत ने एशियाई चैंपियनशिप फाइनल के अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में कहा, मैं किसी भी दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने देता, मैंने यह सुनिश्चित किया कि मेरा ध्यान खेल पर पूरी तरह से केंद्रित रहे।"

पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बने जका अशरफ़

लाहौर, 6 जुलाई। जका अशरफ़ ने गुरुवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की 10-सदस्यीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया।

पीसीबी ने एक बयान में कहा कि प्रबंधन समिति के प्रमुख के रूप में अशरफ की नियुक्ति से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गयी हैं। पीसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यालय में आगमन पर नये प्रमुख का स्वागत किया, जहां वह 10 सदस्यीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करने वाले थे।

पाकिस्तान सरकार ने बुधवार को इस 10 सदस्यीय प्रबंधन समिति को मंज़ूरी दी थी। उल्लेखनीय है कि गठबंधन सहयोगी पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) द्वारा प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ पर दबाव बनाये जाने के बाद अशरफ़ को पीसीबी प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। शरीफ के करीबी सेठी को पीसीबी मामलों के संचालन का प्रभार दिया गया था। उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किये जाने की संभावना थी, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच कलह ने उनकी योजनाओं को विफल कर दिया और वह स्वयं ही अध्यक्ष पद की दौड से बाहर हो गये। चार महीने की अवधि के लिये गठित 10 सदस्यीय प्रबंधन समिति में जका अशरफ, कलीम उल्लाह खान, अशफाक अख्तर, मुहम्मद मुसादिक इस्लाम, अजमत परवेज, जहीर अब्बास, खुर्रम करीम सोमरू, ख्वाजा नदीम, मुस्तफा रामदे और जुल्फिकार मलिक शामिल हैं। जका अशरफ ने नवगठित एमसी का प्रमुख नियुक्त होने के बाद पाकिस्तानी समाचारपत्र द न्यूज से कहा, "मुझ पर भरोसा जताने के लिये मैं प्रधानमंत्री (प्रमुख संरक्षक) सहित सभी का आभारी हूं।" अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय (आईपीसी) द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजे गये सारांश में कहा गया है कि आसन्न अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों (एशिया कप, एकदिवसीय विश्व कप) और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में प्रमुख निर्णयों के मद्देनजर शीर्ष स्तर पर निर्बाध एवं कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिये पीसीबी ने चार महीने की अवधि के लिये एक नयी प्रबंधन समिति के गठन का प्रस्ताव रखा है।

मीराबाई 95 प्रतिशत फिट, अगले हफ्ते राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में नहीं खेलेंगी

नयी दिल्ली, 6 जुलाई। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने बताया कि ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू डेढ़ महीने पहले लगी जांघ की चोट से 95 प्रतिशत उबर चुकी हैं लेकिन अगले हफ्ते भारतीय सरजमीं पर होने वाली राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं ले पायेंगी।

तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई अभी अमेरिका के सेंट लुईस में डॉक्टर होर्शिग के मार्गदर्शन में 65 दिन के रिहैबिलिटेशन में हिस्सा ले रही हैं लेकिन वह विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों में शिरकत करेंगी। यादव ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया, "मीराबाई को मामूली चोट लगी थी, वह इसके लिए सेंट लुईस में रिहैब में है। वह अभी 95 प्रतिशत फिट हैं और अच्छी ट्रेनिंग कर रही हैं।" उन्होंने कहा, "करीब डेढ़ महीने पहले मीराबाई ने जांघ में परेशानी की शिकायत की थी। इसलिये हमने तुरंत ही उसे अमेरिका भेजने की तैयारी कर दी।" मीराबाई पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग' कोच बने होर्शिग से 2020 से मार्गदर्शन ले रही हैं। महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) 12 जुलाई से राष्ट्रमंडल सीनियर, जूनियर और युवा चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिए तैयारी में जुटा है। फिर 28 जुलाई से इसी स्थल पर एशियाई युवा और जूनियर चैम्पियनशिप भी खेली जायेगी। यादव ने कहा, "हमें उसे (मीराबाई) को पेरिस ओलंपिक तक चोटों से मुक्त रखना होगा। उसे 49 किग्रा में कट में जगह बनाने के लिए अपना वजन कम करना होगा। और बार बार ऐसा करना उसके लिए अच्छा नहीं होगा इसलिए वह राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लेगी।"

विश्व चैम्पियनशिप चार सितंबर से रियाध में शुरु होगी और एशियाई खेल 20 से कम दिन बाद चीन के हांगजोऊ में 23 सितंबर से खेले जायेंगे। एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और इस मणिपुरी खिलाड़ी की ट्राफियों में सिर्फ एशियाड पदक की कमी है। वहीं 2024 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियम के अनुसार एक भारोत्तोलक का 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इसलिए वह विश्व चैम्पियनशिप से नहीं हट सकती। वहीं राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन जेरेमी लालरिनुगा को राष्ट्रीय शिविर से बाहर कर दिया गया क्योंकि इस भारोत्तोलक ने अपनी पीठ की चोट के रिहैबिलिटेशन के लिए अमेरिका जाने से इनकार कर दिया और साथ ही उन्होंने एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल्स में भी हिस्सा नहीं लिया। यादव ने कहा, "जेरेमी जब चोटिल हुआ तो हमने उसे सेंट लुईस जाने के लिए कहा। हमने टॉप्स से भी बात की लेकिन उसने जाने से इनकार कर दिया।" उन्होंने कहा, "वह प्रतिभाशाली खिलाडी है लेकिन उसने विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए ट्रायल्स नहीं दिया। इसलिये हमने उसे शिविर से बाहर कर दिया। उसे वापसी करने के लिये अच्छा प्रदर्शन करना होगा।" यादव ने साथ ही कहा, "उसके कुछ अनुशासनात्मक मुद्दे भी रहे हैं।" उन्होंने कहा, "संकेत सरगर (राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता) भी चोटिल थे तो उन्हें भी शिविर से हटा दिया गया। उसका प्रदर्शन भी गिर रहा था। हाल के ट्रायल्स में जूनियर खिलाडियों ने उसे हरा दिया।"